वह शानदार इनसान हैः स्टीव स्मिथ

स्टीव स्मिथ ने यह भी कहा कि विराट कोहली एक खिलाड़ी के रूप में लगातार बेहतर होते जा रहे हैं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट में कोहली के योगदान की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, वह शानदार इनसान हैं। मैंने इस दौरान उनसे कुछ बातें कीं और जानना चाहा कि चीजें कैसी चल रही हैं। वह भारत में खेल के बड़े दूत हैं। वह लगातार बेहतर ही बेहतर होते जा रहे हैं जो एक खतरनाक चीज है।

लगातार बेहतर होते जा रहे हैं कोहली, यह डराने वाली बात

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा है कि विराट कोहली लगातार खुद को बेहतर बना रहे हैं। और इससे विपक्षी टीम को डर लगने लगता है। आधिकारिक प्रसारणकर्ता के साथ बातचीत में उन्होंने कहा, विराट कोहली में आए बदलावों के बारे में उन्होंने कहा, कोहली ने बीते कई बरसों से शारीरिक रूप से खुद को काफी फिट बनाया है।

स्मिथ ने कहा, वह शारीरिक रूप से बेशक काफी बदल गए हैं। वह दुनिया का सबसे फिट और मजबूत ऐथलीट बनने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। स्टीव स्मिथ ने इसके बाद उन्होंने विराट कोहली के साथ अपनी बॉन्डिंग पर चर्चा की। उन्होंने याद किया कि साल 2007 में ब्रिसबन अकादमी में उनकी पहली मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा, मैं विराट को काफी समय से जानता हूं। मेरे विचार से 2007 में वह ब्रिसबन में अकादमी में गए थे और उसका हिस्सा नहीं था लेकन मैं वहां थोड़ी बोलिंग करने गया था। मैदान के बाहर हमारी अच्छी बातचीत हुई थी। मैदान पर हमारा मुकाबला भी हुआ था। जब आप टीम के लिए खेलते हैं तो ऐसी बातें हो जाती हैं। आपकी भावनाएं कई बार नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं।

वर्ल्ड कप 2011 फाइनल मैच फिक्स था या नहीं? जांच हो

क्रिकेट

डी सिल्वा की सलाह-आईसीसी, बीसीसीआई और श्रीलंका बोर्ड मिलकर करें जांच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कोलंबो। श्रीलंका के दिग्गज क्रिकेटर अरविंद डी सिल्वा ने आईसीसी, बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट (स्रे) से अनुरोध किया है कि वह वर्ल्ड कप 2011 के फाइनल मैच की जांच करें, कि आखिर यह मैच फिक्स था या नहीं। डि सिल्वा ने कहा कि हम लोगों को सच से दूर नहीं रख सकते। हालांकि डी सिल्वा अपने देश के पूर्व खेल मंत्री महिंदानंद अल्थगमागे के इस दावे को झूठा मानते हैं लेकिन उन्होंने कहा कि फिर भी इसकी जांच होनी चाहिए। डी सिल्वा ने कहा, हम हमेशा लोगों को सच से दूर नहीं रख सकते। मैं आईसीसी, बीसीसीआई और श्रीलंका क्रिकेट से इस मामले की जांच शुरू करने का अनुरोध करता हूं। उन्होंने कहा, श्भारत ने साल 2011 का वर्ल्ड कप जीता। सचिन तेंडुलकर जैसे कई खिलाड़ी अपने जीवन के इन पलों को संजोते हैं। मुझे लगता है कि अगर इस वर्ल्ड कप के फिक्स होने की जांच होती है तो यह सचिन और भारत के करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों के हित में होगा।

श्रीलंका के इस पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ने कहा, यह भारत सरकार और उनके क्रिकेट बोर्ड का कर्तव्य है कि वह उठ रहे इस मुद्दे की निष्पक्ष जांच शुरू करें। उन्होंने कहा, जब इस तरह के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं, तो यह बहुत सारे लोगों को प्रभावित करता है। इस मामले में न केवल हम, चयनकर्ताओं, खिलाड़ियों और टीम प्रबंधन और वह भारतीय क्रिकेटर भी प्रभावित होंगे, जिन्होंने वर्ल्ड खिताब जीता था। हमें एक बार सभी के लिए यह स्पष्ट करना होगा कि हम जिस खेल से प्यार करते हैं, वह निष्पक्ष है।

इससे पहले, देश के पूर्व खेल मंत्री अल्थगमागे ने एक इंटरव्यू में कहा था कि मुंबई में मेजबान भारत और श्रीलंका के बीच खेला गया विश्व कप 2011 का फाइनल मुकाबला फिक्स था। अल्थगमागे ने न्यूज फर्स्ट से कहा था, श्साल 2011 में खेला गया वर्ल्ड कप फाइनल फिक्स था। मैं अपने बयान पर कायम हूं। यह उस समय हुआ था, जब मैं खेल मंत्री था। अपने देश की प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए और अधिक खुलासे नहीं करना चाहता हूं। भारत के खिलाफ उस मैच को हम जीत सकते थे।

उन्होंने कहा था, मैं अपने बयान की पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और बहस के लिए तैयार हूं। मैं इसमें खिलाड़ियों को शामिल नहीं करूंगा लेकिन कुछ समूह जरूर इस मैच को फिक्स करने में शामिल थे। मंत्री के इस दावे के बाद श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा और पूर्व बल्लेबाज महेला जयवर्धने ने उनसे सबूत पेश करने को कहा था। 2 अप्रैल, 2011 को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले को भारतीय टीम ने छह विकेट से जीता था।

पूर्व चीफ सिलेक्टर चंदू बोर्डे ने बताया सचिन तेंडुलकर ने क्यों छोड़ी थी कप्तानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सचिन तेंडुलकर को दुनिया में महानतम बल्लेबाजों में गिना जाता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने का रेकॉर्ड तेंडुलकर के ही नाम है। उन्हें भारत का सबसे बड़ा मैच–विनर भी कहा जाता है। दुनिया के हर गेंदबाजी आक्रमण के सामने सचिन ने खुलकर रन बनाए।

सचिन का बल्लेबाजी रेकॉर्ड शानदार रहा लेकिन यह बात उनकी कप्तानी के बारे में नहीं कही जा सकती। सचिन ने 1996 से 2000 के बीच भारतीय टीम की कप्तानी की। इस बीच उन्होंने महसूस किया कि कप्तानी का असर उनकी बल्लेबाजी पर पड़ रहा है। हाल ही में भारतीय क्रिकेट टीम

के पूर्व मुख्य चयनकर्ता चंदू बोर्डे ने उस वक्त को याद किया जब ऑस्ट्रेलिया से लौटने के बाद सचिन ने चयनकर्ताओं को बताया था कि अब वह कप्तानी नहीं करना चाहते क्योंकि इसका असर उनकी बल्लेबाजी को फायदा नहीं हो रहा है। बोर्डे ने कहा कि उन्होंने सचिन को कप्तान बने रहने के लिए राजी करने की कोशिश की, लेकिन सचिन इरादा कर चुके थे।

बोर्डे ने स्पोर्ट्सकीड़ा से कहा, देखिए, अगर आपको याद हो तो हमने सचिन को कप्तान बनाकर ऑस्ट्रेलिया भेजा था और उन्होंने वहां से वापस आने के बाद कहा कि वह अब कप्तान नहीं रहना चाहते। उन्होंने कहा, पहली बात, मैं अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। इसलिए, मैंने उन्हें लंबे समय तक कप्तान बने रहने के लिए राजी करने का प्रयास किा क्योंकि हम नए कप्तान की तलाश कर रहे थे, एक पीढ़ी के कप्तान की।

बोर्डे ने यह भी खुलासा किया कि कुछ साथियों ने उनकी इस बात के लिए आलोचना भी की कि वह सचिन को कप्तान बने रहने के लिए राजी क्यों करना चाहते हैं। हालांकि, बोर्डे ने बताया, श्इसके बाद सौरभ गांगुली को टीम को नई दिशा में ले जाने के लिए कप्तान नियुक्त किया गया।

पीसीबी ने जताया इरफान की मौत पर दुख, क्रिकेटर बोले जिंदा हूं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद इरफान (डवींउउंक प्तदि) को रविवार को फैन्स को ट्वीट कर यह बताना पड़ा कि वह जिंदा हैं। दरअसल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अपने ट्विटर हैंडल से एक अन्य क्रिकेटर मोहम्मद इरफान की मौत पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट किया था। लेकिन फैन्स से इसे समझने में गफलत हो गई और वे 7 फीट 1 इंच लंबे कद के इस खिलाड़ी के लिए दुखी होकर शोक जताने लगे।

पीसीबी के इस ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर यह अफवाह उड़ गई मोहम्मद इरफान की कार का ऐक्सीडेंट हो गया है, जिसमें उनकी मौत हो गई। इस अफवाह के उड़ने के बाद मोहम्मद इफान के रिश्तेदार, दोस्त धड़ाधड़ उन्हें फोन करने लगे। जब इरफान इन फोन कॉल्स से दुखी हो गए तो उन्होंने ट्विटर पर खुद एक संदेश जारी कर अपनी सलामत होने की बात कही। इरफान ने ट्वीट करते हुए लिखा, श्सोशल मीडिया आउटलेट्स पर यह आधारहीन खबर फैल रही है कि एक कार दुर्घटना में मेरी मौत हो गई है। इसने मेरे परिवार और दोस्तों को काफी परेशान कर दिया, और मुझे इसे लेकर लगातार कॉल्स आ रहे हैं।

न्यूज डायरी

मुझसे बेहतर बोलर थे गोयल, मैं लकी रहाः बिशन सिंह बेदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय घरेलू क्रिकेट में विकेट्स और रेकॉर्ड्स की झड़ी लगाने वाले पूर्व दिग्गज लेफ्ट आर्म स्पिनर राजिंदर गोयल का रविवार को निधन हो गया। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान बिशन सिंह बेदी ने गोयल के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि वह भारत के महान स्पिनर थे, जिन्हें टीम इंडिया के लिए कभी चांस नहीं मिला। बेदी ने कहा, राजिंदर सिंह के असमय निधन की खबर सुनकर मैं बहुत दुखी हूं। उन्होंने मुझे कभी नहीं बताया कि वह कैंसर से लड़ रहे थे औ बहुत दर्द में थे। लेकिन वह ऐसे ही इनसान थे, जो कभी भी किसी भी चीज की शिकायत नहीं करते थे। बेदी ने बताया, मैंने लॉकडाउन से पहले गोयल से बात की थी और मुझे ऐसा नहीं लगा था कि उनकी यह पारी पूरी होने वाली है। वह सिर्फ 77 के थे। बेदी ने कहा, यह उन जैसी प्रतिभा के साथ अन्यायपूर्ण था कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनके नाम 750 विकेट थे, जिनमें से 637 विकेट उन्होंने सिर्फ रणजी ट्रोफी में हासिल किए थे।

युवा क्रिकेटरों को नस्लवाद की शिक्षा देना जरूरीः डैरेन सैमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दुबई। वेस्ट इंडीज के पूर्व कप्तान डैरेन सैमी ने कहा है कि नस्लवाद के खिलाफ जागरूकता के लिए युवा खिलाड़ियों शिक्षित करना महत्वपूर्ण है। सैमी ने कहा, जैसे डोपिंग और भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता लाने के लिए प्रयास किए गए उसी तरह नस्लवाद के खिलाफ व्यवस्थित स्तर पर युवा क्रिकेटर्स को शिक्षित करना महत्वपूर्ण है, जिससे यह भेदभाव कम किया जा सके। सैमी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के कार्यक्रम इंटरव्यू इनसाइड आउट के दौरान बोल रहे थे, जिसका संचालन वेस्टइंडीज के पूर्व तेज गेंदबाज इयान बिशप ने किया। इसमें इंग्लैंड की महिला क्रिकेटर ईशा गुहा, साउथ अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर जेपी ड्यूमिनी, ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर टॉम मूडी और पाकिस्तान के बाजिद खान ने भी हिस्सा लिया। दो बार के टी 20 वर्ल्ड कप चौंपियन टीम के कप्तान सैमी ने कहा, इसको लेकर व्यवस्थित स्तर पर शिक्षा की जरूरत है। इससे युवा क्रिकेटर क्रिकेट में विविधता को समझ सकेंगे और अपने करियर के शुरू में ही इसे आत्मसात कर सकते हैं।

राजिंदर गोयल निधन– भारत ने घरेलू क्रिकेट का दिग्गज खो दियाः गांगुली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। घरेलू क्रिकेट के पूर्व चौंपियन गेंदबाज राजिंदर गोयल के निधन पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने गहरा दुख व्यक्त किया है। इस मौके पर बोर्ड के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरभ गांगुली ने कहा कि भारत घरेलू क्रिकेट का एक दिग्गज खो दिया। सौरभ गांगुली ने अपने शोक संदेश में कहा, राजिंदर गोयल के असाधारण रेकॉर्ड्स उनकी कला और उस पर उनके नियंत्रण की कहानी बताते हैं। अपने करियर में वह 25 साल से अधिक खेले और निरंतर शानदार परफॉर्मेंस करते रहे। घरेलू क्रिकेट में उनके शानदार रेकॉर्ड्स पर बात करते हुए गांगुली ने कहा, 750 विकेट लेने के लिए सालों–साल कड़ी मेहनत करनी पड़ती है और मैं उनके इस शानदार प्रयास के लिए उन्हें सलाम करता हूं।

एफसी हैवीवेट मुकाबले में कर्टिस ब्लेडेस ने वोलकोव को हराया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लास वेगास। अल्टीमेट फाइटिंग चौंपियनशिप (यूएफसी) के हैवीवेट दावेदार कर्टिस ब्लेडेस ने शनिवार रात एलेक्सांद्र वोलकोव को सर्वसम्मत फैसले में हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। फीदरवेट के रोमांचक मुकाबले में भी जोश एमेट ने सर्वसम्मत फैसले में शेन बुर्गोस को हराया। यूएफसी एपेक्स जिम में हालांकि इन मुकाबलों के दौरान कोरोना वायरस महामारी से जुड़े नियमों के कारण कोई दर्शक मौजूद नहीं था लेकिन मैच का रोमांच किसी भी तरह से कम नहीं रहा। ब्लेडेस ने रूस के वोलकोव के खिलाफ अधिकांश समय दबदबा बनाए रखा और आसान जीत दर्ज की। जजों ने 49–46, 48–47 और 48–46 से ब्लेडेस के पक्ष में फैसला सुनाया। दूसरी तरफ एमेट ने बुर्गोस को 29–28, 29–28 और 29–27 से शिकस्त दी।